प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

08.10.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11.00 बजे

बिलासपुर हादसा

बिलासपुर जिले के झंडुता उपमंडल के तहत भल्लू पुल के समीप कल हुई बस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 16 हो गई है। आज सुबह करीब साढ़े छह बजे रेस्कयू ऑपरेशन शुरू होने के बाद इस हादसे में लापता एक बच्चे का शव रेस्कयू टीम ने बरामद किया। जानकारी के अनुसार इस निजी बस हादसे के मृतकों में 11 पुरूष, चार महिला व एक बच्चा शामिल है। हादसे में घायल दो बच्चों को बिलासपुर एम्स अस्पताल में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। इस दुखद हादसे के सभी मृतकों की पहचान कर ली गई है। प्रशासन की ओर से फौरी राहत के तौर पर मृतकों के परिजनों को 25–25 हजार रूपये की राहत राशि प्रदान की गई है। बचाव अभियान अभी भी जारी है।

हादसा संवेदना

इस बीच बिलासपुर बस हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बस दुर्घटना में जान–माल की हानि पर शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से हर मृतक के परिजनों को दो–दो लाख जबकि घायलों को 50–50 हजार रूपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। गृह मंत्री अमित शाह व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा समेत अन्य नेताओं ने भी हादसे पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस बस दुर्घटना पर दुख जताते हुए हादसे के पीड़ितों को हर संभव मदद का भरोसा दिया है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने दुर्घटना पर दुख जताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

वायु सेना दिवस

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वायु सेना दिवस पर सभी वायु सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को बधाई दी है। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्र की सेवा में अनुकरणीय साहस, प्रतिबद्धता और उत्कृष्ठ सेवा के लिए वायु सेना की सराहना की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में वायु सेना को वीरता, अनुशासन और सटीकता की प्रतिमूर्ति बताया है। उन्होंने कहा कि वायु सेना कर्मियों ने हमारे आकाश की सुरक्षा में, अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी, महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी उनकी भूमिका अत्यंत सराहनीय रही, जिस पर प्रत्येक भारतीय को गर्व है।

कुल्लू दशहरा

लंका दहन की रस्म पूरी करने के साथ ही कुल्लू का अंतरराष्ट्रीय सात दिवसीय दशहरा उत्सव आज संपन्न हो जाएगा। भगवान रघुनाथ जी को दोपहर बाद उनके अस्थायी शिविर से रथ में बिठाकर लंका दहन के लिए ले जाया जाएगा। उसके बाद वे अपने मंदिर लौट आएँगे। विस्तृत ब्यौरे के साथ हमारे कुल्लू संवाददाता–

देव समागम कुल्लू दशहरे का आज अंतिम दिन है स सप्ताह भर चला कुल्लू दशहरा आज लंका दहन की रस्म पूरी करने के साथ ही समाप्त हो जाएगा तथा भगवान रघुनाथजी को दोपहर बाद उनके अस्थाई शिविर से रथ बिठा कर लंका दहन के लिये ले जाया जाएगा । उसके बाद वे आज अपने सुल्तानपुर स्थित मंदिर वापिस लौट आएँगे स इस बार मेले में जिला भर के लगभग 300 देवी –देवताओ ने भाग लेकर उत्सव की शोभा बढ़ाई है। आपदा के चलते खर्चो में कटौती करने के उद्देश्य से न तो विदेशी सांस्कृतिक दलों और न ही प्रदेश से बाहर के दलों को आमंत्रित किया गया था स इस बार प्रदेश व् स्थानीय लोक कलाकारों ने ही अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए । आकाशवाणी समाचार के लिए कुल्लू से आशीष शर्मा।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में आज चौथे दिन भी वर्षा जबकि उंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी का दौर जारी है। मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में गिरावट के चलते लोगों को ठंड का अहसास हो रहा है। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों के दौरान कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना जताई है।